



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

16 श्रावण, 1941 (श०)

संख्या- 640 राँची, बुधवार,

7 अगस्त, 2019 (ई०)

---

#### कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

-----  
संकल्प

02 अगस्त, 2019

संख्या-5/आरोप-1-540/2014-11265 (HRMS)-- श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-788/03), तत्कालीन अंचल अधिकारी, बाघमारा, सम्प्रति-अंचल अधिकारी, हजारीबाग सदर के विरुद्ध पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय), झारखण्ड, राँची के पत्रांक-1278/पी०जी०, दिनांक 12.12.2012 द्वारा पद का दुरुपयोग करने एवं अवैधानिक कृत्य के लिए अनुशासनिक कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

तत्पश्चात्, श्री सुनील कुमार, शीतल सदन, नेताजी रोड, देवघर एवं संयोगिता आनन्द, शीतल सदन, नेताजी रोड, देवघर द्वारा समर्पित परिवाद, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-2586, दिनांक 12.08.2013, राज्य महिला आयोग, झारखण्ड द्वारा की गई अनुशंसा तथा अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के आलोक में विभाग स्तर पर श्री सिंह के विरुद्ध प्रपत्र-‘क’ गठित किया गया। प्रपत्र-‘क’ में श्री सिंह के विरुद्ध अपने पद का दुरुपयोग करने, जमीन क्रय करने हेतु राजस्व नियमों की अनदेखी करते हुए गलत सूचना देने, मकान बनाने हेतु नगर निगम, देवघर से नक्शा पास नहीं कराने एवं राज्य महिला आयोग, झारखण्ड को गुमराह करने तथा सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रतिकूल कार्य करने का आरोप प्रतिवेदित किया गया।

उक्त आरोपों के लिए विभागीय संकल्प सं०-3553, दिनांक 15.04.2014 द्वारा श्री सिंह के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई, जिसमें श्री अशोक कुमार सिन्हा, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया। तत्पश्चात् संकल्प सं०-3928, दिनांक 29.04.2015 द्वारा श्री सिन्हा के स्थान पर श्री शुभेन्द्र झा, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

संचालन पदाधिकारी द्वारा विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर पत्रांक-159/2015, दिनांक 21.06.2015 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसमें निम्न तथ्य अंकित किये गये-

(i) राज्य सरकार की बगैर अनुमति प्राप्त किये पत्नी के नाम से जमीन खरीदने तथा इसकी सूचना विलम्ब से राज्य सरकार को उपलब्ध कराने का आरोप प्रमाणित होता है।

(ii) राज्य महिला आयोग के द्वारा वाद सं०-242/2012 में निर्गत सम्मन की उपेक्षा करने का आरोप प्रमाणित होता है।

(iii) बगैर नक्शा स्वीकृत कराये भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का आरोप प्रमाणित प्रमाणित होता है।

श्री सिंह के विरुद्ध आरोप, आरोपों पर उनका बचाव-बयान एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य के समीक्षोपरांत इनके विरुद्ध प्रमाणित आरोपों के लिए सेवा सम्पुष्टि की तिथि से झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iv) के अंतर्गत असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड इन पर अधिरोपित किया जाता है।

Sr No.	Employee Name G.P.F. No.	Decision of the Competent authority
1	2	3
1	RAJENDRA PRASAD SINGH BHR/BAS/3722	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-788/03), तत्कालीन अंचल अधिकारी, बाघमारा, के विरुद्ध सेवा सम्पुष्टि की तिथि से असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**अशोक कुमार खेतान,**  
सरकार के संयुक्त सचिव।  
जीपीएफ संख्या:BHR/BAS/2972

-----